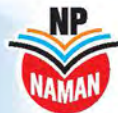




Little Poet



Alka Mittal
M.A. (B.Ed.)



Naman Publishing (India) Pvt. Ltd.

(Leading Publishers of Children Books)

7/209, TULSI CHABOOTRA, TAJGANJ, AGRA

God, Hear My Prayer

God in heaven hear my prayer,
Keep me in your loving care,
Be my guide in all I do,
Bless all those who love me too.





Cobbler, Cobbler

Cobbler, cobbler, mend my shoe,
Get it done by half past two,
Stitch it up and stitch it down,
Then I'll give you half a crown.



Traffic Lights

Twinkle, twinkle traffic light,
Shining on the signal bright,
When it's green, it's time to go,
When it's red, it's 'stop' you know.



Mummy and Daddy

Mummy and Daddy, I love you,
Come to me, when I call you,
Give me a kiss, when I ask you,
Mummy and Daddy, I love you.



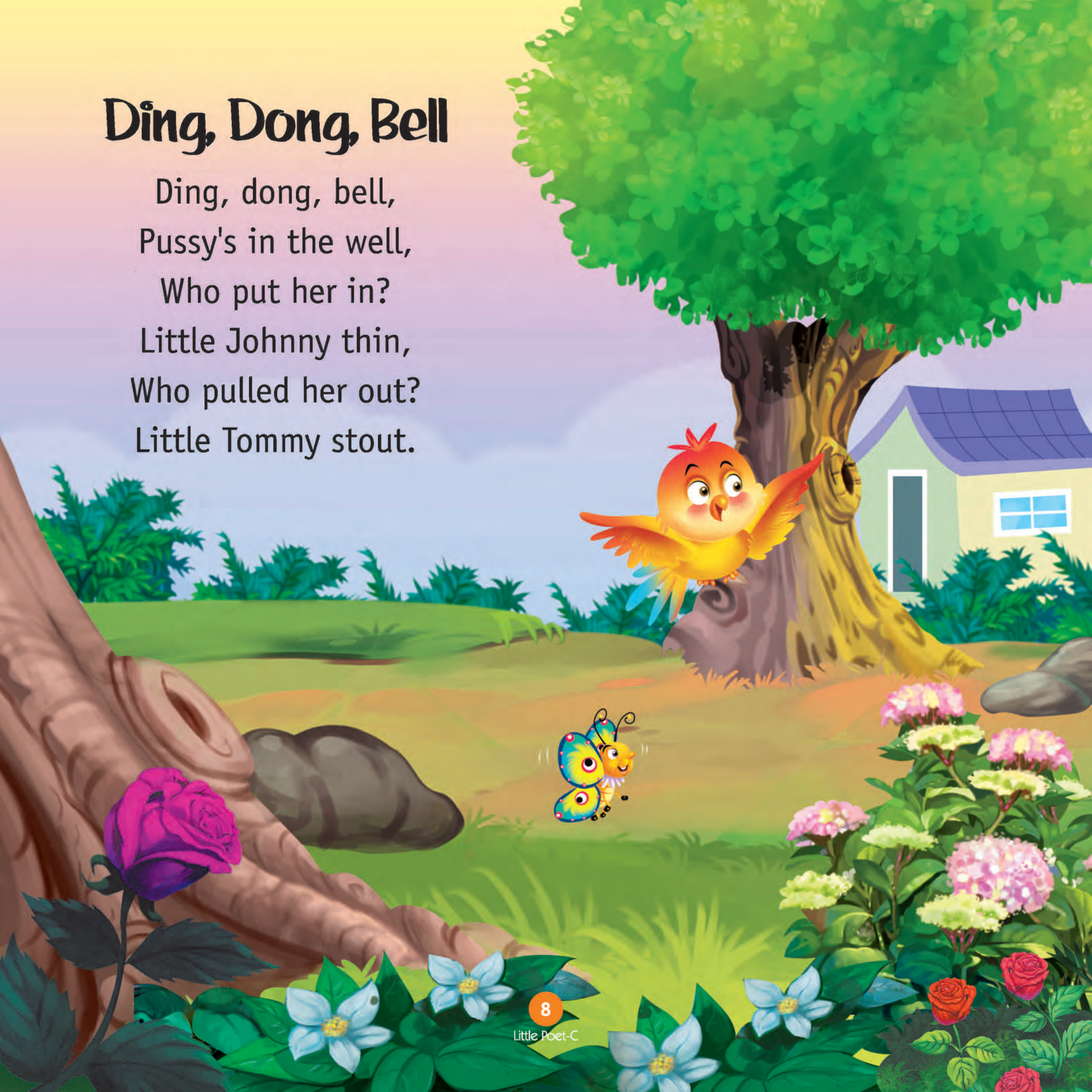
Seesaw

Seesaw, up and down,
Which is the way to London town?
One foot up and other foot down,
That is the way to London town.



Ding, Dong, Bell

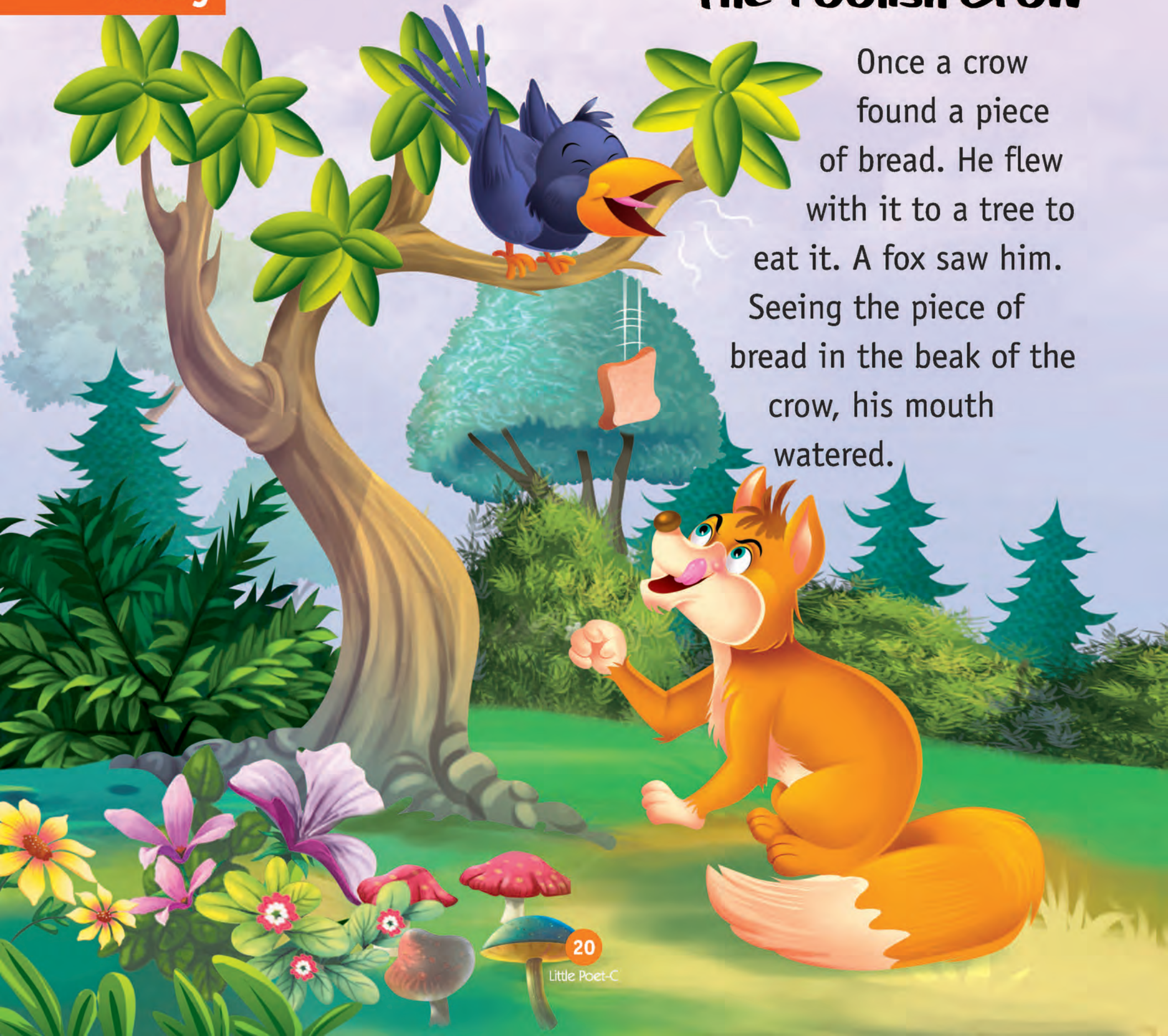
Ding, dong, bell,
Pussy's in the well,
Who put her in?
Little Johnny thin,
Who pulled her out?
Little Tommy stout.





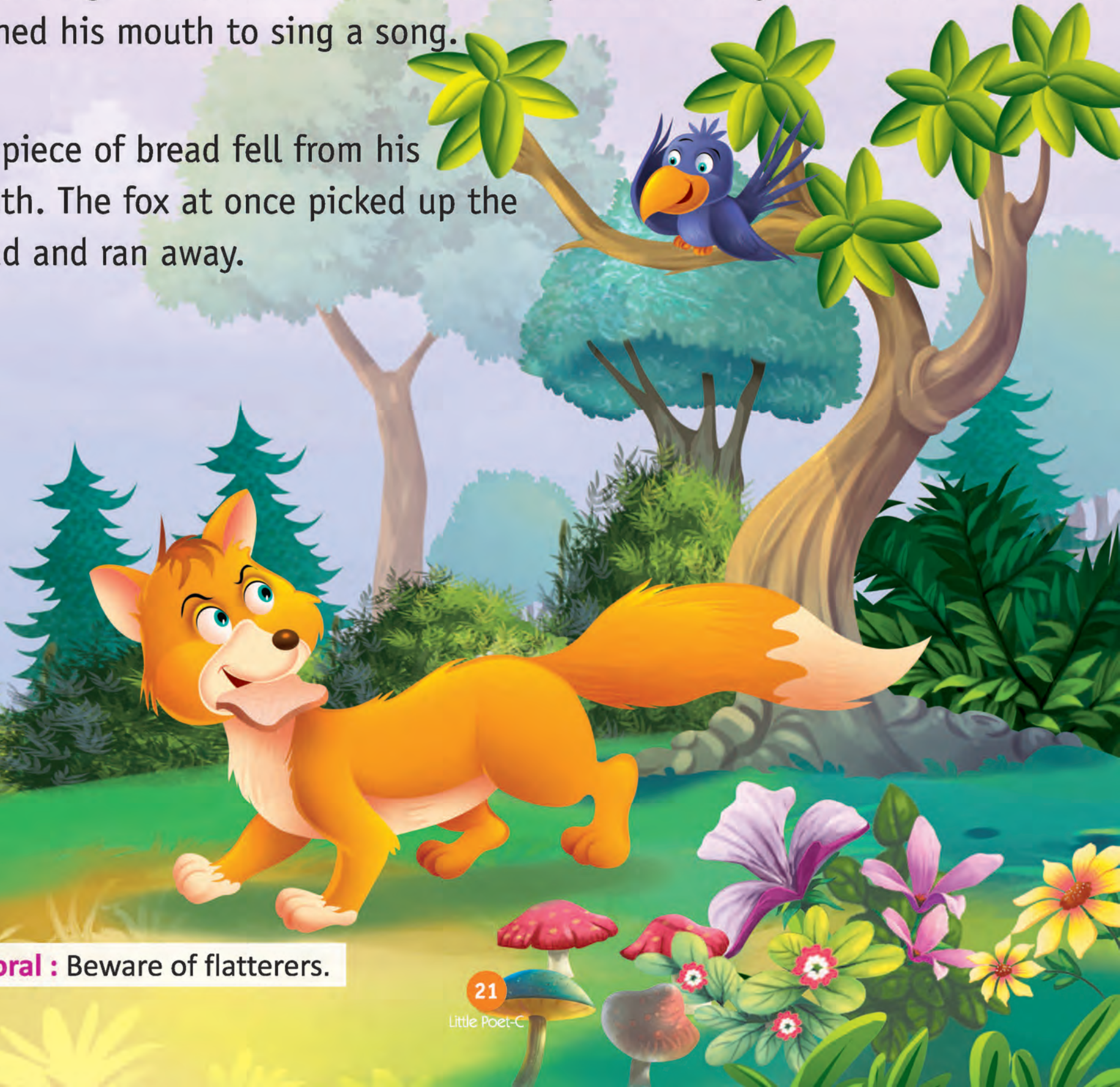
The Foolish Crow

Once a crow found a piece of bread. He flew with it to a tree to eat it. A fox saw him. Seeing the piece of bread in the beak of the crow, his mouth watered.



He started praising the crow to sing a song for him.
The crow got flattered due to the false praise done by the fox. He opened his mouth to sing a song.

The piece of bread fell from his mouth. The fox at once picked up the bread and ran away.



Moral : Beware of flatterers.



जिसने सूरज चाँद बनाया

जिसने सूरज चाँद बनाया,
जिसने तारों को चमकाया।
जिसने फूलों को महकाया,
जिसने चिड़ियों को चहकाया।
जिसने सारा जगत बनाया,
हम उस ईश्वर के गुण गाएँ,
उसे प्रेम से शीश झुकाएँ।



सीख

कभी न रोना, कभी न डरना,
बस हँसते ही रहना तुम।
कभी न झुकना, कभी न रुकना,
आगे बढ़ते जाना तुम।
सबसे मिलकर रहना,
सबको गले लगाना तुम।



फूल तुम कितने अच्छे

फूल-फूल तुम कितने अच्छे,
तुम्हें प्यार करते हैं बच्चे।

रंग तुम्हें दे जाता कौन,
इत्र छिड़क महकाता कौन?

बतलाओ तो उसका नाम,
करे सदा जो अच्छे काम।

पतंग

आसमान में उड़ी पतंग,
बात-बात पर लड़ी पतंग।
नीले-पीले रंगों वाली,
छोटी, मंझली, बड़ी पतंग।
हवा, डोर, माँझे के बल पर,
तनकर ऊपर खड़ी पतंग।





सुंदर तितली

बैठ फूल पर सुंदर तितली,
हँसकर मुझसे यूँ बोली-
फूल न तोड़ो, मुझे न छेड़ो,
छेड़ोगे तो उड़ जाऊँगी,
पास कभी न आऊँगी।



लोमड़ी और सारस

एक बार एक लोमड़ी की मित्रता एक सारस से हो गई। एक दिन लोमड़ी ने सारस को दावत पर बुलाया। सारस अगले दिन लोमड़ी के घर दावत पर पहुँच गया। लोमड़ी ने स्वादिष्ट खीर बनाई और उसे थाली में परोस दिया। सारस की चोंच थाली में डूब नहीं रही थी और लोमड़ी फटाफट सारी खीर चाट गई।



बेचारा सारस भूखा ही रह गया। उसने लोमड़ी को सबक सिखाने की सोची। एक दिन उसने भी लोमड़ी को दावत पर बुलाया। सारस ने भी खीर बनाकर उसको पतले मुँह वाली सुराही में परोस दिया। सारस अपनी लंबी चोंच से सारी खीर खा गया। इस बार लोमड़ी भूखी रह गई। उसे अपने किए की सजा मिल गई।

शिक्षा : जैसे को तैसा मिल ही जाता है।

